S.no.	Source	Edition	Date	Page	Context
1	पत्रिका	भोपाल	3.12.2024		आरकेएमपी से एम्स तक मेट्रो लाइन का काम पूरा

पत्रिका ZOOM | HYPER LOCAL | भोपाल मंगलवार, 03 दिसंबर, 2024

भेल नर्मदापुरम रोड

अयोध्या बाईपास | गोविंदपुरा | बाग सेवनिया | कटारा हिल्स | साकेत नगर

आरकेएमपी से एम्स तक मेट्रो लाइन का काम पूरा

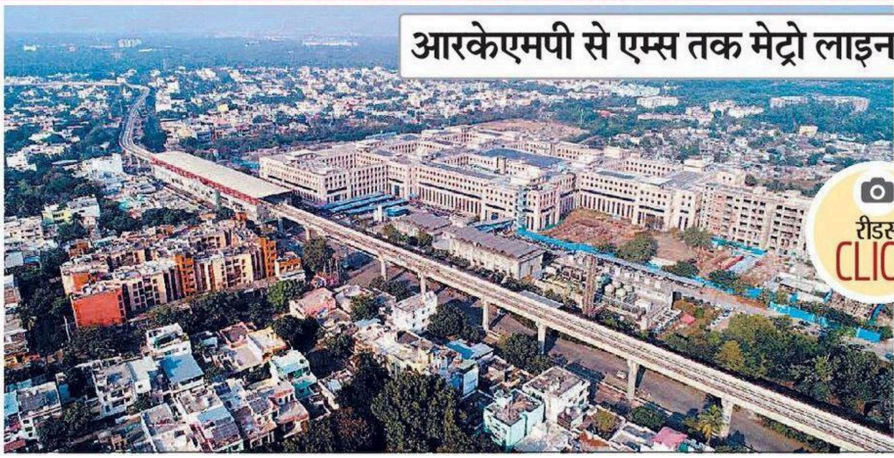

रीडर्स CLICK

भोपाल. मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के प्रयोरिटी कॉरीडोर के आरकेएमपी से एम्स तक के बचे हुए हिस्से का काम पूरा हो गया है। गणेश मंदिर आरओबी बनने के बाद अब सुभाष ब्रिज एम्स तक 6.22 किलोमीटर का हिस्सा ट्रेन ट्रायल के लिए तैयार है। यहां मेट्रो लाइन के पानी को जमीन में उतारने के लिए वॉटर हार्वेस्टिंग का काम भी पूरा हो चुका है। नए साल में मेट्रो का कॉमर्शियल रन शुरू करने की योजना है।

ड्रोन फोटो: रजत शर्मा

MP Metro News

S.no.	Source	Edition	Date	Page	Context
2	Times Of India	Bhopal	7.12.2024	4	Bhopal Metro train trial run from Subhash Nagar to Sargam Talkies began on Friday

SIGNIFICANT MILESTONE

A Moeed Faruqui

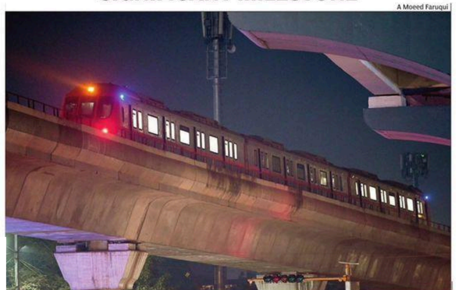

Bhopal Metro train trial run from Subhash Nagar to Sargam Talkies began on Friday

MP METRO NEWS

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context
3	नवदुनिया	भोपाल	12.12.24	भोपाल सिटी	भोपाल मेट्रो : सुभाष नगर डिपो में जनउपयोगी पौधे

नवदुनिया
भोपाल, गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024

भोपाल मेट्रो : सुभाष नगर डिपो में लगाएंगे जनउपयोगी पौधे

सुभाष नगर डिपो का निरीक्षण करते मेट्रो के प्रबंध संचालक एस चैतन्य व अन्य। • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : भोपाल मेट्रो के सुभाष नगर डिपो को हरा-भरा बनाने के लिए यहां पर सजावटी पौधों के बजाए जनउपयोगी पौधे लगाए जाएंगे। इस संबंध में मप्र मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रबंध संचालक एस कृष्ण चैतन्य ने अधिकारियों को पौधे लगाने के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा डिपो में पेड़-पौधों को लगाने के लिए सर्वे करवाएं और डिजाइन तैयार करें।

ज्ञात हो कि जून 2025 में प्रायोरिटी कारिडोर पर कमर्शियल रन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके मद्देनजर प्रायोरिटी कारिडोर में चल रहे प्रोजेक्ट के कामों को देखने के लिए प्रबंध संचालक हर दो-तीन हफ्ते में निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने बुधवार को भोपाल मेट्रो प्रायोरिटी कारिडोर के तहत रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों के साथ-साथ सुभाष नगर डिपो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने समीक्षा बैठक के दौरान पैकेज बीएच-02 (सुभाष नगर से एम्स स्टेशन), बीएच-03 (एलिवेटेड कोरिडोर-करोंद चौराहा से सिंधी कालोनी और ऐशबाग से पुलबोगदा) व बीएच-06 (सुभाष नगर डिपो) के निर्माण कार्यों को लेकर प्रगति समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान शोभित टंडन, निदेशक (सिस्टम), अजय गुप्ता, निदेशक (प्रोजेक्ट्स), विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक के साथ-साथ जनरल कंसल्टेंट और मेट्रो निर्माण ठेकेदारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

- डिपो का जल्द होगा सर्वे फिर तैयार होगा डिजाइन
- अगले साल जून तक सुभाष नगर से एम्स तक दौड़ेगी मेट्रो

इन बिंदुओं पर हुई चर्चा

निरीक्षण के दौरान चैतन्य ने मेट्रो परियोजना के विभिन्न कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से एंट्री-एग्जिट, एस्केलेटर, कंट्रोल रूम, ट्रैक और यात्री सुविधाओं की भौतिक स्थिति का आकलन किया। मेट्रो के प्रमुख घटकों के निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों व ठेकेदारों को और अधिक तत्परता से काम करने के निर्देश दिए।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context
4	राजएक्सप्रेस	भोपाल	12.12.24	5	रानी कमलापति से पैदल ही जा सकेंगे मेट्रो स्टेशन

राज एक्सप्रेस
सूर्यास्त (गुरुवार): 05:36
सूर्योदय (शुक्रवार): 06:52
महानगर
तापमान अधिकतम 23.4° न्यूनतम 6.9°
भोपाल
5
गुरुवार, 12 दिसम्बर, 2024
www.rajexpress.com

रानी कमलापति स्टेशन से पैदल ही जा सकेंगे मेट्रो स्टेशन

एमडी ने कहा-मेट्रो मल्टी मॉडल के स्काय वॉक का काम जल्द पूरा करें

भोपाल (आरएनएन)। रानी कमलापति स्टेशन से मेट्रो स्टेशन पैदल ही आ जा सकेंगे। इसके लिए रानी कमलापति स्टेशन पर मेट्रो मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी के तहत स्काय वॉक बनेगा। बुधवार को मेट्रो प्रोजेक्ट के एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने इंजीनियर्स टीम से यह काम जल्द पूरा करने को कहा। वहीं एमडी सुभाष नगर डिपो भी पहुंचे और अब तक हुए कामों की समीक्षा की। बुधवार को मेट्रो प्रोजेक्ट के एमडी एस कृष्ण चैतन्य सुभाष नगर मेट्रो डिपो पहुंचे। जहां उन्होंने पूरे डिपो का जायजा लेते हुए सेकण्ड फेस के कामों को लेकर चर्चा की। वहीं सुभाष नगर से एम्स स्टेशन, एलिवेटेड कोरिडोर करोंद चौराहा से सिंधी कॉलोनी और ऐशबाग से पुलबोगदा के कामों की रिपोर्ट ली। इसके अलावा सुभाष नगर डिपो में चल रहे कामों को लेकर भी समीक्षा की। सुभाष नगर मेट्रो डिपो पहुंचे एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने इंजीनियर्स टीम से स्टेशनों के एंट्री, एग्जिट, एस्केलेटर, कंट्रोल रूम, ट्रैक और यात्री सुविधाओं को लेकर बनी प्लानिंग पर चर्चा की। एमडी ने सभी स्टेशन पर बचे सिविल और सिस्टम वर्क को पूरा करवाने को कहा। वहीं डिपो में हरियाली बढ़ाने के लिए प्लानिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि सजावटी के बजाय ऐसे पौधे लगाए जाएं, जो उपयोगी हों।

इंजीनियर्स टीम से की चर्चा

सुभाष नगर डिपो में एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने इंजीनियर्स टीम से पूरे प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा की। वहीं रानी कमलापति स्टेशन पर मेट्रो मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी के तहत स्काय वॉक के जरिए रानी कमलपती स्टेशन और मेट्रो स्टेशन को जोड़ने वाले काम को भी जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए। एमडी ने स्टेशन डिजाइन सहित आंतरिक और बाहरी सौंदर्यीकरण को लेकर चर्चा की। एमडी ने कहा कि काज जल्द पूरा करें, ताकि मेट्रो शुरू की जा सके।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context
5	दैनिक भास्कर	भोपाल	12.12.24	2	स्काई वाक के जरिये मेट्रो स्टेशन से जल्द जुड़ेगा आरकेएमपी स्टेशन

दैनिक भास्कर भोपाल 12-12-2024

Pg-02

स्काई वॉक के जरिए मेट्रो स्टेशन से जल्द जुड़ेगा आरकेएमपी स्टेशन

भोपाल | आरकेएमपी स्टेशन और मेट्रो स्टेशन को स्काई वॉक के जरिए जल्द जोड़ा जाएगा। एमपी मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने बुधवार को सुभाषनगर डिपो से आरकेएमपी स्टेशन तक चल रहे मेट्रो के कामों का जायजा लेने के दौरान ये निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से मेट्रो ट्रेन चलाने के लिए सभी स्टेशन पर बचे सिविल और सिस्टम काम को जल्द पूरा करवाने के लिए निर्देशित किया। एमडी गुरुवार को इंदौर मेट्रो के कामों का निरीक्षण कर सकते हैं।

बुधवार को मेट्रो के एमडी ने सुभाष नगर से एम्स स्टेशन, एलिवेटेड कोरिडोर-करौंद चौराहा से सिन्धी कॉलोनी एवं ऐशबाग से पुलबोगदा और सुभाष नगर डिपो के कामों की समीक्षा की। उन्होंने एंट्री-एग्जिट, एस्केलेटर, कंट्रोल रूम, ट्रैक और यात्री सुविधाओं को देखा। उन्होंने कहा की डिपो में जहां कोई निर्माण नहीं होना है, वहां हरियाली होनी चाहिए। यहां सजावटी की बजाय उपयोगी पौधे लगाए जाएं।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context
6	TOI	Bhopal	12.12.24	2	Integration with transit system now a focus

TIMES CITY

Pg-02

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | THURSDAY, DECEMBER 12, 2024

Integration with transit system now a focus

Times News Network

Bhopal: Integration of a metro rail with other transit systems is now a focus for under construction Bhopal metro.

Madhya Pradesh Metro Rail Corporation ltd (MPMRCL) managing director S Krishna Chaitanya, inspected Bhopal metro's priority corridor construction progress on Wednesday. His inspection covered the stretch from Ranikamalapati Station to Subhash Nagar Station, including the Subhash Nagar Depot, as per a press release.

Chaitanya also addressed the metro multi model transport connectivity at Rani Kamalapati station. He instructed for the swift completion of the SKYWALK.

Other metro rail networks are taking measures to ensure seamless integration of Metro stations with all the public transport within a 300m distance from a metro station.

MPMETRO

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context
7	दैनिक दीनबंधु	भोपाल	12.12.24	3	एस. कृष्णा चैतन्य प्रबंध संचालक ने चल रहे निर्माण कार्यो स्थलीय निरिक्षण किया

एस. कृष्ण चैतन्य प्रबंध संचालक ने चल रहे निर्माण कार्यों स्थलीय निरीक्षण किया

भोपाल। श्री एस. कृष्ण चैतन्य, आईएएस, प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा आज भोपाल मेट्रो प्रयोरिटी कोरिडोर (रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन) के साथ-2 सुभाष नगर डिपो पर चल रहे निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ सभी संबंधित विभागों, मेट्रो अधिकारियों, कन्सल्टन्ट व कान्ट्रैक्टर के साथ कार्यों की प्रगति संबंधित जानकारी ली गई। प्रबंध संचालक के निरीक्षण में वरिष्ठ अधिकारीगण शोभित टंडन, निदेशक (सिस्टम), अजय गुप्ता, निदेशक (प्रोजेक्टस), विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक के साथ-साथ जनरल कंसल्टेंट और मेट्रो निर्माण ठेकेदारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context
8	The Hitavada	Bhopal	12.12.24	4	Metro MD reviews construction progress at Bhopal Corridor, Subhash Nagar Depot

TheHitavada
Bhopal City Line | 2024-12-12 | Page- 4
ehitavada.com

TheHitavada BHOPAL ■ Thursday ■ December 12 ■ 2024

Metro MD reviews construction progress at Bhopal Corridor, Subhash Nagar Depot

■ **Staff Reporter**

S KRISHNA Chaitanya, Managing Director of Madhya Pradesh Metro Rail Corporation, on Wednesday conducted a site inspection of ongoing construction activities for the Bhopal Metro Priority Corridor. The inspection covered the stretch from Rani Kamalapati Station to Subhash Nagar Station, along with a visit to the Subhash Nagar Depot.

Chaitanya held a review meeting to assess the progress of construction work in various packages, including BH-02 (Subhash Nagar to AIIMS Station), BH 03 (Elevated Corridor Karond Chauraha to Sindhi Colony & Aishbagh to Pulbogda), and BH-06 (Subhash Nagar Depot).

The MD took a close look at key metro infrastructure, including entry and exit points, escalators, control rooms, tracks, and passenger amenities. He discussed the need for ensuring the quality and timeliness of construction and urged the officials and contractors to work with greater urgency. He emphasized the importance of completing all pending civil and system work at the stations so that metro train operations can begin as soon as possible.

Metro Official accompanying Metro MD S Krishna Chaitanya during the inspection.

Chaitanya also focused on increasing greenery at the depot. He encouraged planting trees that are beneficial to the public, instead of just ornamental ones.

Additionally, he instructed the speedy completion of the Skywalk project at Rani Kamalapati Station, which will connect the metro station with other transport services under the metro's multi-modal connectivity plan. The inspection also included a detailed discussion on the structural quality of the project, adherence to safety standards, station designs, and both internal and external aesthetics. Chaitanya directed officials to ensure all tasks are completed on time to guarantee the metro's safe and efficient operation.

The inspection was attended by senior officials including Shobhit Tandon, Director (Systems), Ajay Gupta, Director (Projects), as well as representatives from the General Consultant and metro construction contractors.

Powered by iDocuments

S.no.	Source	Edition	Date	Page	Context
9	पत्रिका	भोपाल	19.12.2024		नए साल में सुहाने सफर के लिए मेट्रो ट्रैक तैयार, हो जाएं तैयार

पत्रिका ZOOM | HYPER LOCAL | भोपाल गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024

भेल नर्मदापुरम रोड

अयोध्या बाईपास | गोविंदपुरा | बाग सेवनिया | कटारा हिल्स | साकेत नगर

नए साल में सुहाने सफर के लिए मेट्रो ट्रैक तैयार, हो जाएं तैयार

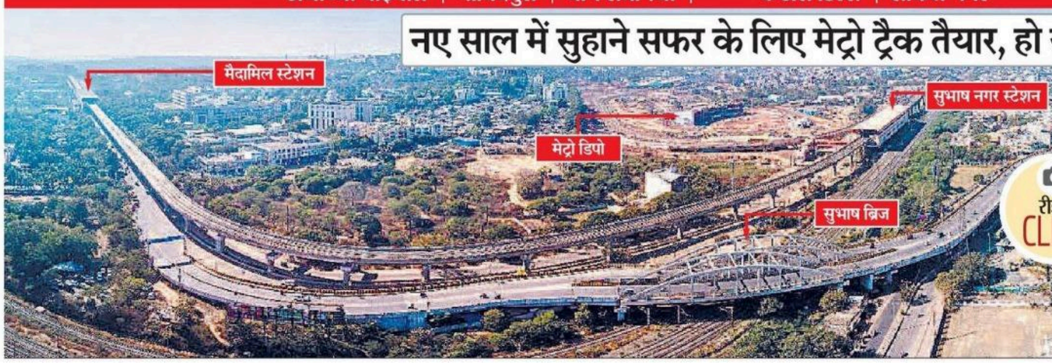

भोपाल. शहर में मेट्रो लाइन का कार्य सबसे पहले सुभाष नगर क्षेत्र में शुरू हुआ था। अब मेट्रो की लाइन के साथ ही हबीबगंज और बोगदा पुल साइड के स्टेशन भी बनकर लगभग तैयार हैं। इसके साथ ही सुभाष नगर का ब्रिज भी बन गया है। मेट्रो का डिपो भी आकार लेता नजर आ रहा है। सब कुछ ठीक रहा तो नए साल मेट्रो का सुहाना सफर शहरवासियों को करने को मिल सकेगा।

ड्रोन फोटो: रजत शर्मा

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context
10	पीपुल्स समाचार	भोपाल	22.12.24	3	मेट्रो कंपनी ने बनाया वैकल्पिक मार्ग : प्लेटफार्म नंबर -6 की तरफ आने जाने की होगी दिक्कते ख़तम

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार

भोपाल सिटी Page: 3 December 22, 2024

मेट्रो कंपनी ने बनाया वैकल्पिक मार्ग : प्लेटफॉर्म नंबर-6 की तरफ आने-जाने में दिक्कत होगी खत्म

भोपाल। मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म-6 की तरफ की गई बेरिकेडिंग से संकरी हुई सड़क से आने-जाने में हो रही परेशानी एक-दो दिन में खत्म हो जाएगी। दरअसल मेट्रो कंपनी ने जम-जम होटल के बाजू से हमीदिया समानांतर रोड तक 30 फीट चौड़ी सीसी रोड बनाई है। जो एक-दो दिन में खोल दी जाएगी।

MPMETRO

S.no.	Source	Edition	Date	Page	Context
11	राज एक्सप्रेस	भोपाल	28.12.24	04	सौगातों से भरा होगा 2025, चलेगी मेट्रो डस्ट फ्री, स्लम फ्री सिटी होगा भोपाल

▶ बस और मकान के इंतजार में साल बीता, मिला सिर्फ आश्वासन

सौगातों से भरा होगा 2025, चलेगी मेट्रो डस्ट फ्री, स्लम फ्री सिटी होगा भोपाल

मेट्रो की टेस्टिंग का दायरा बढ़ेगा

मेट्रो कंपनी के मुताबिक प्रॉयोरिटी कॉरिडोर के सुभाष नगर से एम्स स्टेशन तक की लाइन में पहले फेज में मेट्रो का ट्रायल रन सुभाष नगर से आरकेएमपी स्टेशन तक हो चुका है। अब मेट्रो के ट्रायल रन को आगे तक बढ़ाने की तैयारी चल रही है। यह ट्रायल नए साल में शुरू हो जाएगा।

,

MPMETRO

S.no.	Source	Edition	Date	Page	Context
12	पत्रिका	भोपाल	28.12.24	4	25 साल में बदल गया शहर, बीते दस साल में रही तेज रफ्तार तांगा-टेम्पो से मेट्रो के सफर तक

पत्रिका

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम
पत्रिका
भोपाल, शनि

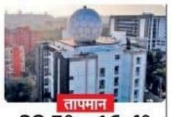

तापमान

28.5° अधिकतम | 16.4° न्यूनतम

आर्द्रता : 82 (अधिकतम)
हवा की गति : 13 किमी/घंटा

फोरकास्ट
आंशिक बादल
स्रोत- मौसम केन्द्र भोपाल

पॉल्यूशन स्तर

पर्यावरण परिसर	276	-12
टीटी नगर	312	-07
कलेक्टेट ऑफिस	293	+31

अच्छा	ठीक	मध्यम
0-50	51-100	101-200
खराब	**गंभीर**	**खतरनाक**
201-300	301-400	401-500

आज अवरोध

25 से ज्यादा क्षेत्रों में आज बिजली गुल

भोपाल. राजधानी के 25 से ज्यादा क्षेत्रों में शनिवार को बिजली गुल रहेगी। इन इलाकों में रखरखाव व निर्माण कार्यों के चलते शटडाउन किया जा रहा है। बिजली कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार इन इलाकों में चार से 7 घंटे की कटौती रहेगी।

- **क्षेत्र:** रोहित नगर चरण 1, कम्फर्ट होम्स, दानिश कुंज, ज्योति कॉलोनी, स्काई ड्रीम्स, केएनपी कॉलेज, सीवेज बागली, हरिपुरम कॉलोनी और आसपास के क्षेत्र।
- **समय:** सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक।
- **क्षेत्र:** पंजाबी बाग,

25 साल में बदल गया शहर, बीते दस साल में रही तेज रफ्तार

तांगा-टेम्पो से मेट्रो के सफर तक

*भोपाल. वर्ष 2024 के समापन में अब कुछ ही घंटे बाकी हैं। इसी के साथ सदी के पहले 24 साल पूरे हो जाएंगे। और 21वीं सदी का 25वां साल शुरू हो जाएगा। सदी के इस सिल्वर जुबली में शहर काफी बदला। 25 साल पहले नादरा बस स्टैंड के पास घोड़ा नक्कास से शहर मे तांगा चला करते थे। टेम्पो भी चलते थे। 2025 में मेट्रो से सफर की तैयारी है। इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रांसपोर्ट, हेल्थ से लेकर वन-पर्यावरण तक के मामले में बदलाव हुआ है। भोपाल कस्बे से महानगर हुआ। आबादी और क्षेत्रफल बढ़ा। बीते 10 सालों में बदलाव की गति काफी तेज रही। आने वाले 10 साल इससे भी तेज होंगे। आइए जानते हैं कैसे बदल रहा है शहर- **देवेंद्र शर्मा की रिपोर्ट...***

पहले

25 साल पहले घोड़ा नक्कास, रेलवे स्टेशन से तांगा चला करते थे।

अब

2025 में राजधानी में मेट्रो का सफर शुरू हो जाएगा।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट

1999 में भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के मुख्य साधन मिनी बसें,सिटी बसें थीं। भोपाल रेलवे स्टेशन पर डिजिटल डिस्प्ले और ऑनलाइन टिकटिंग जैसी सुविधाएं नहीं थीं। हबीबगंज स्टेशन उन्नत नहीं था। राजाभोज एयरपोर्ट बहुत छोटा था। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सुविधा नहीं थी।

2024 में लो-फ्लोर बसें, इलेक्ट्रिक ऑटो और 2025 मेट्रो शुरू हो जाएगी। ई व्हीकल्स चलेंगी। हबीबगंज अब रानी कमलापति के नाम पर वर्ल्ड क्लास स्टेशन है। लंबी एयर स्ट्रिप के साथ एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय उड़ान, कार्गो उड़ानों के लिए तैयार है। निशातपुरा, मिसरोद और बैरागढ़ बड़े रेलवे स्टेशन बन रहे हैं।

हेरिटेज संरक्षण पर काम

1999 में शौकत महल, गौहर महल, जैसे ऐतिहासिक स्थलों की स्थिति ठीक थी, लेकिन इन्हें संरक्षित करने के लिए जागरूकता या व्यापक परियोजनाएं उस समय मौजूद नहीं थीं।

2024: सदर मंजिल हेरिटेज होटल है। ताज महल, गौहर महल नए पर्यटन क्षेत्र हैं। इस्लाम नगर का नाम जगदीशपुर हो गया है। हां, पुराने सात दरवाजे खत्म हो गए हैं। तीन सीढ़ी तालाब खात्मे पर है, इसे अस्पताल व अन्य निर्माणों ने घेर लिया है।

एमपी नगर से मिसरोद तक शहर

1999 भोपाल की आबादी लगभग 14 लाख थी। तब शहर एमपी नगर तक सीमित था। विद्यानगर-नारायण नगर से आगे गांव थे। यही स्थिति अन्य कोनों पर थी। 55 वार्ड में शहर था। वीआइपी रोड, चेतकब्रिज समेत कुल पांच ही ब्रिज थे।

2024 : आबादी 25 लाख से ज्यादा है। मिसरोद से आगे मंडीदीप के करीब शहर पहुंच गया है। कोलार सिंगल लेन रोड अब सिक्सलेन है। ये कजलीखेड़ा तक बढ़ गया है। बैरागढ़ से आगे भौंरी तक और रायसेन रोड पर कोकता को शहर पार कर गया है। 12 ब्रिज हैं। करीब दस प्रस्तावित व निर्माणाधीन हैं।

पहले बड़े तालाब पर थी निर्भरता

1999 भोजवेट लैंड प्रोजेक्ट शुरू हुआ। पेयजल सिस्टम कोलार डैम व बड़ा तालाब पर निर्भर था। जब निगम की जलापूर्ति का 50 फीसदी सिस्टम कोलार, जबकि, बाकी बड़ा तालाब के साथ 30 फीसदी स्थानीय बोरिंग के भरोसे थे।

2024 : कोलार, बड़ा तालाब के साथ नर्मदा लाइन बड़ा जलापूर्ति स्रोत है। कोलार के लिए केरवा प्रोजेक्ट से पानी दिया जाता है। 80 फीसदी सिस्टम नल जल से जुड़ गया हैं। पेयजल संकट लगभग खत्म है।

वन क्षेत्र निजी हाथों में

1999 कलियासोत-केरवा वनक्षेत्र फॉरिस्ट व राजस्व जमीन की बहुलता से आमजन की आवाजाही से दूर था। वन्यप्राणी कोलार तक आसानी से बिना बाधा आते थे। स्कूल-कॉलेज से लेकर फार्म हाउस, बंगलों, रेस्टोरेंट नहीं थे।

2024: 6000 वर्ग हेक्टेयर के वनक्षेत्र पर निजी लोगों का कब्जा है। बाघ भ्रमण क्षेत्र के बोर्ड लगे हैं, लेकिन फर्राटे भरते वाहन और तफरीह करते लोग मिल जाएंगे। बड़े बंगले, होटल, रेस्टोरेंट, फार्म हाउस बन गए। जमीनें बिकी और इनकी फेंसिंग कर दी। अब यहां बाघ नजर आने पर बड़ी खबर होती है।

25 साल पहले पर्यावरण, वन, तालाब इतना बड़ा मुद्दा नहीं था। आबादी के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा और लोग खेतों से होते हुए जंगलों में गए। जमीनें कैसे लीं, निर्माण कैसे हुआ, वन्यप्राणी कहां धकेल दिए गए, ये बड़ा विषय है। विकास जरूरी है, लेकिन इसमें भोपाल अपनी तालाब और वन क्षेत्र की पहचान खो रहा है। मास्टर प्लान भी नहीं लाया गया। इसपर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

केसी मल्ल, तत्कालीन, वन संरक्षण सीपीए